दिल्ली, एन.सी.आर. व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक लोकप्रिय मासिक

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

Regd. No.-UPHIN/2004/15489 www.uvindianews.com प्रधान सम्पादक: सत्येन्द्र सिंह

वर्ष : 17 अंक : 4 गाजियाबाद, अप्रैल, 2021 मूल्य : 4 रूपया पृष्ठ : 04 E-mail : udyogviharnp@gmail.com

दूसरी लहर की चपेट में बुजुर्गों से ज्यादा बच्चे, युवा और गर्भवती महिलाएं

कोरोना की दूसरी लहर कितनी खतरनाक है इसकी गवाही तो रोज आने वाले आंकड़े दे ही रहे हैं, पर अब डॉक्टरों ने इसे लेकर एक नई बात बताई है जो आम लोगों के लिए एक बड़ी चेतावनी है। दिल्ली के छठखढ अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ सुरश कुमार ने बताया है कि इस बार कोरोना बुजुर्गों से ज्यादा बच्चों, युवाओं और गर्भवती महिलाओं को ज्यादा शिकार बना रहा है। डॉ सुरेश कुमार ने बताया कि दूसरी लहर में संक्रमण के मामले काफी ज्यादा तेजी से फैल रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले हफ्ते 20 मरीज अस्पताल में भर्ती हुए थे, अब ये संख्या 170 पहुंच तक गई है। डॉ कुमार ने कहा कि पहले 60 साल से ज्यादा उम्र वाले बुजुर्ग लोग कोरोना की चपेट में ज्यादा आ रहे थे, लेकिन इस बार युवा, बच्चे, गर्भवती महिलाए हैं, जो चिंता का विषय हैं।

कोरोना लाइव

12,847,674	11,809,277	166,426	133,270,274
मामले (भारत)	मरीज ठीक हुए	कुल मौतें	मामले (दुनिया)

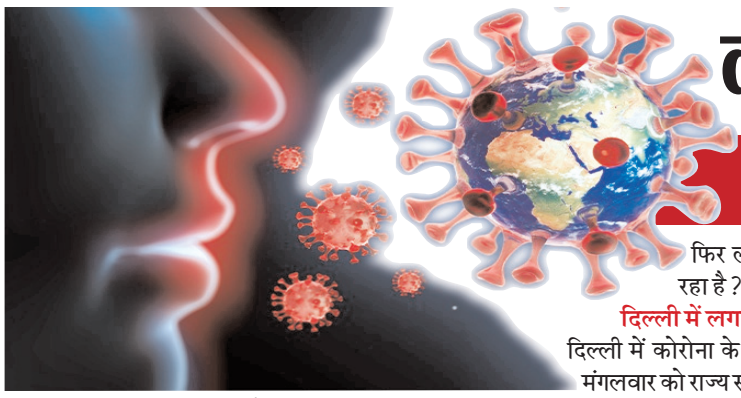

कोरोना की दूसरी लहर में टूटे सारे रिकॉर्ड

देश के किन शहरों में लगा है लॉकडाउन और नाइट कर्फ्यू

-उद्योग विहार (अप्रैल 2021)-

नई दिल्ली। देश कोरोना की दूसरी बड़ी लहर की चपेट में है। कोरोना के कहर को देखते हुए दिल्ली समेत कई राज्यों ने अपने यहां लॉकडाउन, नाइट कर्फ्यू, वीकेंड लॉकडाउन जैसे कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। देश में कोरोना की दूसरी लहर ने अब तक के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। ताजा आंकड़ों के मुताबिक एक दिन में कोरोना के 1,15,239 नए मामले दर्ज किए गए हैं। महामारी की शुरूआत से लेकर अब तक प्रतिदिन मिलने वाले नए संक्रमितों की यह सर्वोच्च संख्या है। रविवार के बाद यह दूसरा मौका है, जब एक दिन में एक लाख से अधिक नए मामले मिले हैं। महाराष्ट्र में हालात बेहद ही खराब हैं, वहां वीकेंड लॉकडउन और नाइट कर्फ्यू लगाया जा चुका है। इसके अलावा दिल्ली में भी नाइट कर्फ्यू लगाया जा चुका है। अन्य राज्यों में भी हालात बेहतर नहीं हैं, कई अन्य राज्यों में भी वीकेंड लॉकडाउन और नाइट कर्फ्यू जैसे प्रतिबंध लगाए गए हैं। ऐसे में बड़ा सवाल है कि क्या देश एकबार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रहा है?

दिल्ली में लगाया गया नाइट कर्फ्यू

दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच मंगलवार को राज्य सरकार ने नाइट कर्फ्यू का ऐलान किया है। नाइट कर्फ्यू रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक लागू रहेगा, हालांकि इस दौरान आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को नाइट कर्फ्यू से छूट रहेगी।

महाराष्ट्र में बेकाबू हुए हालात

महाराष्ट्र में कोरोना से हालात बेहद की खराब हैं। महाराष्ट्र में हर दिन 50,000 के करीब कोरोना के नए मामले रिपोर्ट हो रहे हैं। देश के कुल नए मामलों के 50 फीसदी से ज्यादा अकेले महाराष्ट्र से आ रहे हैं।

पंजाब में 30 अप्रैल तक नाइट कर्फ्यू

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच पूरे पंजाब में रात 9 बजे से सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू लगा दिया गया है। इससे पहले 12 जिलों में 10 अप्रैल तक नाइट कर्फ्यू लगाया गया था। अब इसे पूरे प्रदेश पर लागू कर इसकी अवधि 30 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। संक्रमण की बढ़ती रफ्तार को देखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने राज्य में कोरोना की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करते हुए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश में राजनीतिक रैलियों आदि पर भी रोक लगा दी गई है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ महामारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने डीजीपी दिनकर गुप्ता को राज्य में नाइट कर्फ्यू सख्ती से लागू करवाने के आदेश दिए हैं।

मप्र में कोरोना को लेकर बढ़ेगी सख्ती

7 अप्रैल की रात 8 बजे से 10 अप्रैल की सुबह 6 बजे तक लॉकडाउन का ऐलान कर दिया गया है। वहीं, भोपाल, इंदौर और जबलपुर समेत 13 शहरों में भी रविवार के साथ शनिवार को भी लॉकडाउन लगाया जा सकता है। हालांकि, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसका फैसला जिलों की क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी पर छोड़ा है।

गुजरात के 20 शहरों में नाइट कर्फ्यू

गुजरात सरकार ने 20 शहरों में नाइट कर्फ्यू लगाने की घोषणा की है। शादी समारोह में गेस्ट्स की संख्या को भी सीमित कर दिया गया है। शादी समारोह में 100 लोगों के ही शामिल होने की अनुमति दी गई है। ग्रैंड इवेंट्स को 30 अप्रैल तक के लिए टाल दिया गया है। वहीं, सरकारी दफ्तर भी 30 अप्रैल तक शनिवार के दिन बंद रहेंगे।

झारखंड में आंशिक लॉकडाउन, स्कूल बंद

कोरोना वायरस के संक्रमण में तेजी से हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए झारखंड की हेमंत सोरेन ने समूचे राज्य में नाइट कर्फ्यू लागू करने का आदेश दिया है।

जम्मू-कश्मीर में स्कूल बंद,छुट्टियां रद

कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए जम्मू-कश्मीर में सोमवार से स्कूलों को बंद कर दिया गया है। कश्मीर में डॉक्टरों, नर्सों और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा राज्य में कोरोना की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

छत्तीसगढ़ में कोरोना विस्फोट, लॉकडाउन

छत्तीसगढ़ में कोरोना के बढ़ते मामलों ने राज्य के साथ केंद्र की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। केंद्र सरकार ने राज्य के कोरोना प्रभावित जिलों में हाई लेवल टीम भेजने का फैसला किया है। सोमवार को राज्य में कोरोना के 7,000 से ज्यादा नए मामले रिपोर्ट हुए थे। राज्य के दुर्ग, राजनांदगांव आदि इलाकों में लॉकडाउन लगाया गया है। रायपुर में दस दिनों का लॉकडाउन लगाया गया है।

यूपी में स्कूल बंद, नई गाइडलाइन जारी

यूपी में भे कोरोना से हालात बिगड़ने लगे हैं, मंगलवार को राज्य में कोरोना के 5900 से ज्यादा नए मामले रिपोर्ट हुए हैं और 30 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। कोरोना की नई लहर को देखते हुए योगी सरकार ने नई गाइडलाइन भी जारी की है। राज्य में 8वीं तक के स्कूलों को फिलहाल 11 अप्रैल तक बंद किया गया है।

जनपद में कोरोना का कहर जारी, वैक्सीन का स्टॉक शून्य

-उद्योग विहार (अप्रैल 2021)-

गाजियाबाद। जनपद में लगातार कोरोना संक्रमण का कहर एक बार फिर से लगातार बढता जा रहा है तो वहीं वैक्सीन की कमी लगातार बनी हुई है। जिसके चलते जिले के निजी अस्पतालों को भी वैक्सीन की सप्लाई प्रभावित हुई है। मंगलवार को कई निजी अस्पतालों में वैक्सीनेशन नहीं हो सका। विभागीय सूत्रों की मानें तो स्टोर में वैक्सीन नहीं बची हैं। जितनी वैक्सीन मिली थीं, उन्हें सभी सेंटर्स पर पहुंचा दिया गया है। बुधवार को जिले में वैक्सीनेशन प्रभावित हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के अनुसार मंगलवार को वैक्सीन स्टोर में 23 हजार वैक्सीन थीं, जो सभी सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर पहुंचा दी गईं। वैक्सीन की कमी के चलते निजी अस्पतालों को भी वैक्सीन नहीं दी जा रही है। पिछले कई दिनों से निजी अस्पतालों के कर्मचारी स्वास्थ्य विभाग के चक्कर लगा रहे हैं। शासन से भी स्वास्थ्य विभाग को वैक्सीन नहीं मिल पा रही है। जिले में 57 सरकारी वैक्सीनेशन सेंटर हैं। इनमें से लगभग 10 सेंटर्स पर 300 से 400 टीकाकरण रोज किए जा रहे हैं। अन्य सेंटर्स में 20 से ज्यादा पर 200 प्रतिदिन और बाकी पर 100 से कम टीकाकरण हो रहा है। सेंटर पर हो रहे वैक्सीनेशन के अनुसार ही सेंटर्स को वैक्सीन

दी गई हैं। जिले में 36 निजी अस्पातलों में वैक्सीनेशन किया जा रहा है। इनमें से अधिकांश पर वैक्सीन खत्म होने के चलते टीकाकरण बंद हो गया है। ऐसे में टीकाकरण के लिए जो लोग निजी अस्पतालों में पहंच रहे हैं, उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है।

विभागीय सूत्रों के अनुसार शासन स्तर से मेरठ मंडल को 30 हजार वैक्सीन मुहैया करवाई जा रही हैं। इनमें जिले के 5 हजार वैक्सीन ही मिल सकेंगी, जबकि जिले में प्रतिदिन वैक्सीनेशन का लक्ष्य 14000 है। हालांकि अधिकारी अभी भी जिले में वैक्सीन की कमी नहीं होने की बात कह रहे हैं, लेकिन उपलब्ध वैक्सीन की संख्या नहीं बता पा रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारी के अनुसार जिले को वैक्सीन की सप्लाई मिल रही है।

चुनाव में शराब और कवाब की जुगलबंदी रोकने के ठोस प्रयास

दिन ही नही रात में खूब दौड़ रहे एक्साइज डिपार्टमेंट के अफसर

- 15 लाख की शराब बरामद, 30 ली0 कच्ची शराब बरामद कर 2500 कि0ग्रा0 लहन को किया नष्ट
- 4दो आरक्षियों ने शराब और तस्कर को छोडने की एवज में मांगी चार लाख की रिश्वत

-उद्योग विहार (अप्रैल 2021)-

गाजियाबाद। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव ने गाँव-देहात की रौनक में चार चांद लगा दिए हैं। कोई चुनाव लड़ रहा है, तो कोई लड़वा रहा है। मगर पंचायत चुनाव में दस्तूर बन गया है कि दिन भर प्रचार-प्रसार और रात को शराब और कबाब का दौर चलता है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दावेदार जब वोटरों को रिझाने की कोई कसर नहीं छोडने का मन बनाते हैं तो सबसे पहले उनका ध्यान मुर्गा और दारू पर जाता है। दिन में जहां स्थानीय जोड़तोड़ से वोट की सेटिंग होती है, वहीं रात के अंधेरे में दावतों का दौर चलता है। वहीं चुनाव में मोटा मुनाफा कमाने के लिए शराब माफिया भी पूरी तरह सक्रिय नजर आ रह है। यही वजह है कि इन शराब माफियाओं और आबकारी विभाग की टीम के बीच चोर-पुलिस का खेल शुरू हो गया है। कच्ची शराब के माफिया जहां अवैध शराब के धंधे को जोर-शोर के साथ चला रहे हैं तो वहीं आबकारी विभाग की टीम लगातार उनके ठिकानों पर कच्ची शराब और लहन नष्ट कर उनके मंसूबे को पूरी तरह से ध्वस्त करने में जुटी है। जनपद में पंचायत चुनाव के मद्देनजर आबकारी विभाग का जिले में विशेष अभियान जारी है। प्रदेश के आबकारी आयुक्त एवं संयुक्त आबकारी आयुक्त मेरठ जोन के निर्देश पर छापेमार कार्रवाई की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया आबकारी निरीक्षक सेक्टर-2 त्रिभुवन सिंह, सेक्टर-3 निरीक्षक सीलम मिश्रा और मुरादनगर थाना प्रभारी अमित कुमार की संयुक्त टीम ने दुहाई पेरीफेरल चेक प्वाइंट रोड पर चेकिंग के दौरान मिल्क वेन टाटा-407 गाड़ी से 71 बोतल नाइट ब्लू व्हिस्की, 3000 पौवे देशी शराब मार्का असली संतरा एवं 360 केन ट्यूबर्ग प्रीमियम बियर बरामद किया। वहीं मौके से तस्कर कुलबीर पुत्र वेद प्रकाश निवासी राजेंद्र कॉलोनी रोहतक हरियाणा को गिरफ्तार को गिरफ्तार किया गया। वहीं चेकिंग के दौरान आबकारी निरीक्षक आशीष पांडेय एवं घटांघर थाना प्रभारी संदीप सिंह की संयुक्त टीम ने लग्जरी गाड़ी होण्डा सिटी कार में हरियाणा से तस्करी कर ला रहे तस्कर अरुण पुत्र सुरेश निवासी जैनपुर मुरथल सोनीपत हरियाणा को गिरफ्तार किया गया। जिसकी गाड़ी से 7 पेटी में 336 पौवे मेग डॉवल नंबर वन, 10 पेटी में 240 हाफ मेग डॉवल नंबर वन और 7 पेटी में 78 बोतल मेग डॉवल नंबर वन हरियाणा मार्का बरामद किया गया। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया मुरादनगर एवं लालकुआं क्षेत्र से बरामद शराब की कीमत करीब 15 लाख रूपए है। तस्कर इतने सतर्क हो गये है कि शराब तस्करी मोटा मुनाफा कमाने के लिए कोई कोर कसर नही छोड़ रहे है। मुरादनगर में पकड़ा गया तस्कर मिल्क वैन की गाड़ी में शराब की तस्करी कर रहा था और लालकुआं में पकड़ा गया तस्कर पुलिस चेकिंग से बचने के लिए लग्जरी गाड़ी का प्रयोग कर रहा था।

उधर एसडीएम लोनी शुभांगी शुक्ला के नेतृत्व में लोनी सीओ अतुल कुमार सोनकर, आबकारी निरीक्षक सीलम मिश्रा सेक्टर-3, आबकारी निरीक्षक टी.एस. ह्यांकी सेक्टर-2, आबकारी निरीक्षक विवेक दुबे प्रवर्तन मेरठ, आबकारी निरीक्षक सेक्टर-4 आशीष पाण्डये एवं लोनी थाना प्रभारी ओपी सिंह की संयुक्त टीम ने महमूदपुर, भनेड़ा, मथुरापुर, शमशादपुर तथा भूपखेड़ी में संदिग्ध स्थलों पर छापेमारी की कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान महमूदपुर तथा शमशादपुर हिंडन नदी खादर से 30 ली0 कच्ची शराब बरामद की गई और करीब 2500 कि0ग्रा0 लहन को मौके पर नष्ट किया गया।

उद्योग विहार

निष्पक्ष पाक्षिक समाचार पत्र

02 P.

E-mail : udyogviharnp@gmail.com

गाजियाबाद, अप्रैल, 2021

MINIMUM WAGES IN DIFFERENT STATES

U.P MINUMUM WAGES GENERAL /ENGINEERING					DELHI MINIMUM WAGES		RAJASTHAN MINIMUM WAGES		GUJRAT MINIMUM WAGES		PUNJAB MINIMUMWAGES		HARYANA MINIMUMWAGES		UTTARAKHAND MINIMUM WAGES	
	U.P. GENERAL		U.P. ENGG. BELOW 500	U.P. ENGG. ABOVE 500	MINIMUM WAGES		MINIMUM WAGES		MINIMUM WAGES		MINIMUMWAGES		MINIMUMWAGES		MINIMUMWAGES	
	W.E.F.		W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.		W.E.F.		W.E.F.		W.E.F.		W.E.F.		W.E.F.- 01/04/2021	
	01/04/2021 TO 30/09/2021		01/02/21 TO 31/07/2021	01/02/21 TO 31/07/2021	10/1/2020		8/1/2020		01/04/2021 TO 30/09/2021		3/1/2020		7/1/2020		For Adult Workers In Towns Of More Than One Lakh Population	For Remaining Parts Of The State
CATEGORY OF WORKERS	BASIC +DA		BASIC +DA	BASIC +DA	BASIC+DA		BASIC+DA		ZONE-I	ZONE-II	BASIC+DA		BASIC+DA		BASIC+DA	
UN SKILLED	9073.02		10609.94	11123.32	15492.00		5850.00		9053.20	8845.20	9178.56		9458.20		9131.00	9013.00
SEMISKILLED	9980.32		11650.97	12235.65	17069.00		6162.00		9261.20	9053.20	9958.56		*		9724.00	9588.00
SEMISKILLED-A	*		*	*	*		*		*	*	*		9931.08		*	*
SEMISKILLED-B	*		*	*	*		*		*	*	*		10427.62		*	*
SKILLED	11179.54		12934.43	13347.99	18797.00		6474.00		9495.20	9261.20	10855.56		*		10318.00	10170.00
Clerical And Supervisory Staff NON MATRICULATED CLERICAL-1	*		*	*	17069.00		*		*	*	*		10949.01		11320.00	11128.00
Clerical And Supervisory Staff Matriculates But Not graduates / CLERICAL-2	*		*	*	18797.00		*		*	*	*		11496.47		10572.00	10411.00
Clerical And Supervisory Staff Graduates And Above	*		*	*	20430.00		*		*	*	*		*		*	*
HIGHLY SKILLED	*		*	*	*		7774.00		*	*	11887.56		12071.29		*	*

कर्मचारियों को हेल्थ स्कीम में मिलेगी नई सुविधा

-उद्योग विहार (अप्रैल 2021)-

नई दिल्ली। कोरोना काल में केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों से जुड़े कई नियम बदले गए हैं। इन्हीं में से एक नियम केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) से जुड़ा है।

क्या है नियम: दरअसल, केंद्र सरकार की ओर से आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के निजी डे केयर थेरेपी केंद्रों को सीजीएचएस के तहत सूचीबद्ध किए जाने की बात कही गई है। इसका फायदा ये होगा कि सीजीएचएस के सभी लाभार्थी, कर्मचारी के परिवार, साथ ही पेंशनभोगी इन केंद्रों का लाभ उठा सकेंगे। सरकार का दावा है कि ये कदम जनता के बीच दवाओं की आयुष प्रणाली की बढ़ती लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

कर्मचारियों को कैसे मिलेगा फायदा: डे केयर थेरेपी केंद्र में रहने की एक छोटी अवधि के लिए उपचार की प्रक्रिया, कुछ घंटों से लेकर एक दिन से कम समय तक सीजीएचएस लाभार्थियों को उपलब्ध कराई जाएगी। योजना का उद्देश्य स्वास्थ्य और सेहत में सुधार करना, स्वास्थ्य देखभाल खर्च को कम करना और रोगियों को सेवा वितरण, दक्षता और आराम प्रदान करना है। यह बच्चों और बुजुर्ग रोगियों के लिए बेहद सुविधाजनक माना जा रहा है।

क्या है केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना: यह योजना केंद्र सरकार के कर्मचारियों, पेंशनरों और सीजीएचएस के अंतर्गत आने वाले शहरों में रह रहे उनके आश्रितों को व्यापक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराता है। सीजीएचएस के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाएं चिकित्सा की ऐलोपैथिक, होमियोपैथिक और भारतीय प्रणाली द्वारा उपलब्ध कराई जाती हैं जो आयुष विभाग के अंतर्गत आती है। हर केंद्रीय कर्मचारी को योजना के तहत एक सीजीएचएस कार्ड मिलता है। इस कार्ड के जरिए कर्मचारी को सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क इलाज की सुविधा मिलती है। इसके साथ सीजीएचएस की सूची में शामिल निजी अस्पतालों में इलाज कराने पर उस अस्पताल की फीस में छूट मिलती है।

कर्मचारियों को मिलने वाला है तोहफा: आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने कोरोना काल में कर्मचारियों के बढ़े हुए महंगाई भत्ते को रोक दिया था। बीते साल कर्मचारियों को 21 फीसदी की दर से महंगाई भत्ता मिलने वाला था लेकिन सरकार ने इसे पुरानी दर पर ही दिया। हालांकि, अब इस साल कर्मचारियों को बढ़े हुए महंगाई भत्ते को दिया जाएगा। हाल ही में इसकी जानकारी सरकार की ओर से सदन में दी गई है।

सेनेटाइजेशन: सरकारी दफ्तर, बाजार एवं धार्मिक स्थलों को निगम ने किया सैनेटाइज

-उद्योग विहार (अप्रैल 2021)-

गाजियाबाद। नगर निगम द्वारा नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर के कुशल नेतृत्व में शहर कि प्रत्येक क्षेत्र में सैनिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है ताकि बढ़ती महामारी कोविड-19 से बचा जा सके। मेयर आशा शर्मा के निर्देश के क्रम में नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मिथिलेश द्वारा पांचों जोनों में छोटी स्प्रे मशीन से संकीर्ण गलियों वह दफ्तरों में बाजारों में सैनिटाइजेशन किया जा रहा है दूसरी ओर शहर के चौराहों मुख्य मार्गों व व्यस्त मार्गों में बड़ी गाडियों के माध्यम से सैनिटाइजेशन का कार्य कराया जा रहा है। वसुंधरा जोन के अंतर्गत सफाई निरीक्षक अग्रवाल की देखरेख में वैशाली मेट्रो स्टेशन, कौशांबी मेट्रो स्टेशन, बस अड्डा वैशाली, कौशांबी, यूपी गेट वैशाली सेक्टर 9,जज कॉलोनी, सतपुरा सोसायटी कोसांबी, धौलागिरी सोसायटी, वैशाली, अम्रपाली सोसायटी इंदिरापुरम, प्रेस ग्रीन सोसायटी वैशाली, नीलपदम कुंज सेक्टर 1 वैशाली, जयपुरिया सोसायटी कौशांबी, ऑलिव सोसाइटी वसुंधरा व अन्य क्षेत्र में सैनिटाइजेशन का कार्य कराया गया। विजयनगर जोन के अंतर्गत सफाई निरीक्षक योगेंद्र की देखरेख में सुंदर पुरी, सेक्टर 9 विजय नगर, सेक्टर 11 प्रताप विहार, सेक्टर 12 प्रताप विहार, गंगाजल गेस्ट हाउस, अंबेडकर नगर, कैलाश नगर मे सैनिटाइजेशन का कार्य कराया गया। कविनगर जोन के अंतर्गत सफाई निरीक्षक नरेंद्र कुमार के देखरेख में कलेक्ट्रेट राजनगर, शास्त्री नगर, संजय नगर सेक्टर 23,कवि नगर के कई ब्लॉकों में सैनिटाइजेशन का कार्य कराया गया।

LEGAL INFOSOLUTIONS PVT LTD.

❖LABOUR LAWS ❖HR MANAGEMENT
❖PAYROLL OUTSOURCING MANAGEMENT
❖SOCIAL AUDIT & COMPLIANCE'S)

http://www.legalipl.com

BE-243, G.F., Avantika, Ghaziabad- U.P.- 201002
The Ithum IT Park, Suite # 007, 3rd Floor, Tower C, Plot No. 40 A, Sector 62, Noida, 201301-U.P. India
9818036460
legalipl243@gmail.com

सम्पादकीय

बड़े खतरे की घंटी

सत्येन्द्र सिंह

प्रधानमंत्री बार-बार बचाव संबंधी नियमों का सख्ती से पालन करने पर जोर दे रहे हैं, संक्रमण रोकने के लिए पांच सूत्रीय रणनीति यानी जांच, संक्रमितों के संपर्कों का पता लगाने, इलाज, बचाव और टीकाकरण पर जोर दे रहे हैं। पर हैरानी होती है यह देख कर कि कहीं भी कोई भी इनका पालन नहीं कर रहा। यह लापरवाही की पराकाष्ठा है। जब हम ही संक्रमण से बचाव की कोशिशों पर पलीता लगाएंगे तो कैसे कोरोना को हराएंगे! कोरोना की दूसरी लहर में भारत में संक्रमण जिस तेजी से फैल रहा है, वह और बड़े की खतरे की घंटी है। एक दिन में एक लाख से ज्यादा नए मामलों का सामने आना बता रहा है कि हालात बेकाबू हो चुके हैं। एक लाख से ज्यादा का आंकड़ा वह सरकारी आंकड़ा है जो जांच के बाद आया है। यह भी संभव है कि बड़ी संख्या में लोगों की जांच ही नहीं हुई हो या लोगों ने ही नहीं करवाई और वे संक्रमण से ग्रस्त हों। इसलिए यह आंकड़ा सवा-डेढ़ लाख रोजाना भी हो तो हैरत नहीं होगी। हकीकत यह है कि हम फिर से महामारी की चपेट में आ गए हैं और हालात अब ज्यादा गंभीर हैं। देश में महामारी दस्तक के बाद पहली बार ऐसा हुआ जब एक दिन में नए मामलों का आंकड़ा एक लाख से ऊपर निकल गया। दुनिया के लिहाज से भी देखें तो सबसे ज्यादा हालत अब हमारी खराब है। भारत दुनिया में पहला देश हो गया है जहां संक्रमण के नए मामले मिलने की रफ्तार सबसे ज्यादा है। अभी तक पहले नबंर पर अमेरिका और दूसरे पर ब्राजील था। कुछ दिन पहले तक देश के आठ राज्यों में ही हालात गंभीर होने की बात थी, लेकिन अब यह संख्या बढ़ कर पंद्रह हो गई है। चिंता की बात ज्यादा इसलिए है कि नए मामले तब बढ़ रहे हैं जब देश में टीकाकरण का अभियान जोरों पर चल रहा है और एक दिन में पैंतीस लाख लोगों को टीका लगाने की उपलब्धि हासिल की जा चुकी है। फिर भी अगर संक्रमण बढ़ रहा है तो इसके पीछे कहीं न कहीं हमारी लापरवाही बड़ी वजह है और महामारी से जंग में यही सबसे बड़ी बाधा बन गई है। इसका सबसे कारण तो यही है कि महामारी को लेकर लोगों के भीतर डर खत्म हो गया है। इसलिए लोग मास्क पहनने, सुरक्षित दूरी और बार-बार हाथ धोने जैसे बचाव संबंधी उपायों का पालन भी नहीं कर रहे।

बाजारों में पहले की तरह भीड़ उमड़ रही है। देशभर में कमोबेश यही स्थिति है। देश की सत्तर फीसद आबादी में एंटीबॉडी विकसित नहीं हुई है, इसलिए भीड़ के जरिए संक्रमण फैलने का खतरा और बढ़ गया है। चुनावी राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के हालात भी नींद उड़ा देने वाले हैं। चुनावी रैलियों और सभाओं में राजनीतिक दल और आमजन जिस तरह से नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं, वह बड़े संकट को न्योता देना है। पश्चिम बंगाल डॉक्टर्स फोरम ने तो चुनाव आयोग और राज्य के मुख्य सचिव को पत्र लिख कर चेताया भी है कि अगर जल्दी ही कोरोना से बचाव के लिए समुचित प्रबंध नहीं किए गए तो हालात विस्फोटक हो सकते हैं। एक मार्च से एक अप्रैल के बीच संक्रमण के नए मामलों में पश्चिम बंगाल में छह सौ पैंतालीस फीसद और तमिलनाडु में चार सौ चौरानवे फीसद का इजाफा हुआ है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में टीकाकरण की दर में सत्ताईस और असम में इकतालीस फीसद की गिरावट आई है। न राजनीतिक दलों को चिंता है न सभाओं-रैलियों में पहुंचने वालों को।

सिद्धांत और मूल्यहीन सत्ता की राजनीति कब तक?

भारतीय राजनीति में चुनाव का मौसम सबसे ज्यादा ठगाई, गुमराह एवं सपने दिखाने का मौसम होता है, भले ही उस समय असल में कोई भी मौसम क्यों न चल रहा हो। बिन मौसम राजनेता अपनी निष्ठा बदलने की वर्षा करते हैं तो राजनीतिक दल चुनावी वायदों के जरिये स्वर्ग को ही धरती पर उतार लाने के ओले बरसाते हैं। यह खेल हर चुनाव से पहले खेला जाता है, फिर भी मतदाता खुद को भरमाने से नहीं बचा पाते। हर बार ठगा जाता है। कहने को चुनाव लोकतंत्र का महाकुंभ होता है, लेकिन इसी महाकुंभ में सर्वाधिक लोकतंत्र के हनन की घटनाएं होती है, जो चिन्ता का कारण बननी चाहिए। चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश पुड्डुचेरी में वर्तमान चुनाव में आज जो राजनीतिक माहौल बन रहा है, जिस तरह रोज नए समीकरण बन या बिगड़ रहे हैं और जिस तरह सत्ता के खेल में आदर्शों पर आधारित सारे नियम ताक पर रखे जा रहे हैं, उसको देखते हुए किसी भी दल के किसी भी राजनेता की कथनी पर विश्वास करना मुश्किल हो गया है। वैसे अपने आप में यह बहुत अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रहित की अपनी परिभाषाओं पर टिके रहने का साहस दिखाया है। इस साहस की प्रशंसा होनी चाहिए। पश्चिम बंगाल के चुनावी महासंग्राम में जो कुछ हो रहा है, जिस तरह सत्ता को केंद्र बनाकर समीकरण बनाए जा रहे हैं एवं येन-केन-प्रकारेण चुनाव जीतने के षडयंत्र रचे जा रहे हैं, उससे देश के समझदार तबके को चिंतित होना ही चाहिए। यह सही है कि मूल्य आधारित राजनीति की बात करना आज थोथा आदर्शवाद माना जाता है, लेकिन कहीं-न-कहीं तो हमें यह स्वीकारना ही होगा कि जिस तरह की अवसरवादी राजनीति हमारे लोकतंत्र पर हावी होती जा रही है, उससे देश के वास्तविक और व्यापक हितों पर विपरीत असर ही पड़ सकता है। पश्चिम बंगाल में हो रहे राजनीतिक तमाशे और राजनेताओं के बदलते चेहरे में हमें इस अवसर के बारे में भी जागरूक रहना होगा।

पश्चिम बंगाल के चुनाव ने जिस तरह के भयावह परिवेश को निर्मित किया है, उसमें आम मतदाता उलझन में है, एक बड़ा सवाल है कि न केवल मतदाता बल्कि राजनेता को भी अचानक ही किसी दल में घुटन क्यों महसूस होने लगी? या फलां दल अचानक ही क्यों भाने लगा? आज जो शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल में जंगल राज का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम में चुनौती दे रहे हैं, वह कल तक उन्हीं के विश्वासपात्र हुआ करते थे। पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव इस बार जिस युद्धस्तर पर लड़ा जा रहा है, उसमें युद्ध से ऐन पहले पाला बदलने वाले शुभेंदु पहले राजनेता नहीं हैं। ऐसे दलबदलु अवसरवादियों की फेहरिस्त बहुत लंबी बन सकती है, जो कल तक किसी और दल व नेता के प्रति निष्ठा की कसमें खाते थे, पर अब किसी दूसरे दल-नेता के विश्वासी बनने का दम भर रहे हैं। ऐसे में यह स्वाभाविक सवाल अनुत्तरित ही है कि जो उनके विश्वासी नहीं हुए, वे इनके विश्वासी कैसे होंगे? महाराष्ट्र में सुदृढ़ निष्ठाएं भी धराशायी होती हुई हमने देखी है। राजनीति के बड़े खिलाड़ी माने जाने वाले शरद पवार के अपने भतीजे अजित पवार ने रात के अंधेरे में भाजपा से सत्ता की सौदेबाजी कर राकांपा तोड़ने की साजिश रची थी। यह अलग बात है कि उस सरकार की वैसी ही बेआबरू विदाई हुई, जैसी होनी चाहिए थी। आश्चर्यजनक यह भी रहा कि अजित पवार फिर अपनी निष्ठा बदल कर राकांपा में लौट आये और शिवसेना-कांग्रेस के साथ मिल कर बनी नयी सरकार में भी बिना शर्मिंदगी के उपमुख्यमंत्री बन गये। वैसे भारतीय राजनीति का अब शर्म से कोई रिश्ता रह नहीं गया है। कोई भी राजनीतिक दुर्भावना एवं विकृति शर्मसार क्यों नहीं करती?

> “जमीनी एवं जीवनदानी भाजपा कार्यकर्ताओं की कीमत पर सिंधिया समर्थकों को शिवराज सरकार में हिस्सेदारी मिल चुकी है। खुद ज्योतिरादित्य को नरेंद्र मोदी सरकार में प्रवेश का इंतजार है”

लोकतंत्र की बुनियाद इसलिये भी खोखली होती जा रही है कि राजनीतिक दल अपनी कथनी-करनी का औचित्य साबित करने की चिंता ही नहीं करते। उन्हें इस बात की चिंता होती ही नहीं कि आज जो वे कह या कर रहे हैं, उसे यदि उनके बीते हुए कल की कथनी-करनी से तौला जाएगा तो उनकी क्या स्थिति होगी? वे यह भी नहीं सोचना चाहते कि आम लोग उनकी बात पर विश्वास क्यों करें? क्यों वे आम जनता को बेवकूफ समझते है? जनता के विश्वास से खेलना कब तक जारी रहेगी? लम्बे इंतजार करने के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कमल थाम लिया, जिसकी परिणति मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार के पतन और शिवराज सिंह चैहान के नेतृत्व में भाजपा सरकार के गठन के रूप में हुई। जमीनी एवं जीवनदानी भाजपा कार्यकर्ताओं की कीमत पर सिंधिया समर्थकों को शिवराज सरकार में हिस्सेदारी मिल चुकी है। खुद ज्योतिरादित्य को नरेंद्र मोदी सरकार में प्रवेश का इंतजार है।

पिछले साल ही राजस्थान में भी मध्य प्रदेश प्रकरण की पुनरावृत्ति के आसार नजर आये थे, पर अंतिम क्षणों में कांग्रेस आलाकमान सचिन पायलट को मनाने में सफल हो गया और अशोक गहलोत सरकार बच गयी। अभी भी राजस्थान में सत्ता परिवर्तन का खेल कभी भी हो सकता है। ऐसी मिसालें कम नहीं हैं, जब हमारे राजनेताओं के रातोंरात हुए हृदय परिवर्तन ने सरकार गिरायी और बनायी हैं। विडम्बना तो यह है कि हृदय परिवर्तन अक्सर सत्ता परिवर्तन के लिए ही होता है, लोकतंत्र के लिये कोई आदर्श उदाहरण बनने के लिये नहीं।

इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण राजनीतिक स्थितियों को लेकर ढेरों मुहावरे एवं कहावतें बन चुकी हैं- राजनीति बदमाशों की अंतिम शरणस्थली है, प्यार, युद्ध और राजनीति में सब कुछ जायज है, राजनीति में कोई स्थायी मित्र या कोई स्थायी शत्रु नहीं होता, राजनीति अवसर भुनाने की कला है, राजनीति असंभव साधने की कला है आदि-आदि। और यह एक रोचक स्थिति है कि पिछले कुछ ही दिनों में देश ने इन और ऐसे सारे मुहावरों की हकीकत की बानगी किसी न किसी रूप में देख ली है। पश्चिम बंगाल चुनावों में जिस तरह के राजनीतिक समीकरण बन-बिगड़ रहे हैं, जिस तरह की बयानबाजी हो रही है, उस सबसे हमारी राजनीति का अवसरवादी एवं विद्रूप चेहरा जरूर अलग-अलग रूपों में सामने आ रहा है। ऐसा नहीं कि पहले हमारी राजनीति के विरोधाभासी समीकरण कभी सामने नहीं आए, लेकिन जिस रूप में अब सामने आ रहे हैं, वह अपने आप में हमारी राजनीति को परिभाषित कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के तेवर पर देश में काफी चर्चा हो चुकी है, हो रही है, लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में जिस तरह समीकरण बनाए-बिगाड़े जा रहे हैं, उसे देखकर यह चिंता उभरनी ही चाहिए कि सिद्धांत और मूल्यहीन सत्ता की राजनीति हमें कहां पहुंचाएगी।

राजनीति और चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाली संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2016 से 2020 के बीच हुए चुनावों में लड़ने वाले 405 में से 182 विधायक दल बदल कर भाजपा में शामिल हुए जबकि 38 विधायक कांग्रेस में और 25 विधायक टीआरएस में शामिल हुए। जिन नेताओं और दलों की निष्ठा और वफादारी का यह आलम है, उनके चुनावी वायदों के वफा होने की उम्मीद कैसे की जा सकती है? राजनीति की दूषित हवाओं ने लोकतंत्र की चेतना को प्रदूषित कर दिया है। जबकि लोकतंत्र की बुनियाद है राजनीति, जिसकी जनता की आंखों में पारदर्शिता होनी चाहिए। मगर आज राजनीति ने इतने मुखौटे पहन लिये हैं, छलनाओं के मकड़ जाल बुन लिये हैं कि उसका सही चेहरा एवं चरित्र पहचानना आम मतदाता के लिये बहुत कठिन हो गया है। कैसे राजनीति के प्रति मन श्रद्धा से झुके? क्योंकि वहां किसी मौलिक मुद्दे पर स्थिरता नहीं और जहां स्थिरता नहीं वहां विश्वास और आस्था कैसे संभव होगी?

TAKSHAK
MANAGEMENT INDIA PVT LTD
EVENTS MANAGEMENT
PR MANAGEMENT
ARTISTS MANAGEMENT
http://www.takshakindia.com
BE-243, G.F., Avantika, Ghaziabad- U.P.-201002
The Ithum IT Park, Suite # 007, 3rd Floor, Tower C,
Plot No. 40 A, Sector 62, Noida, 201301-U.P. India
9818036460
takshakindia@gmail.com

उद्योग विहार

निष्पक्ष पाक्षिक समाचार पत्र

E-mail : udyogviharnp@gmail.com

गाजियाबाद / नोएडा

गाजियाबाद, अप्रैल, 2021

कड़ी सुरक्षा के बीच होगा पंचायत चुनाव

प्रेक्षक, डीएम-एसएसपी ने तैयारियों का लिया जायजा

-उद्योग विहार (अप्रैल 2021)-

गाजियाबाद। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण का मतदान गुरूवार को होगा। जिले में मतदान को लेकर तैयारी पूरी हो चुकी है। सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान केंद्र पहुंचकर मतदाता मतदान कर सकेंगे। मतदान करने के लिए आने वाले मतदाताओं को मास्क पहनना अनिवार्य हैं। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के हाथ को सैनिटाइज करवाया जाएगा और उनके शरीर का तापमान चेक किया जाएगा। जिसके बाद ही वह मतदान कर सकेंगे। पंचायत चुनाव में पांच लाख से अधिक मतदाता इस बार 3302 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला करने के लिए मतदान करेंगे। निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और स्वतंत्र रूप से चुनाव कराने के जिले को 22 जोन और 78 सेक्टर में बांटा गया है। मतदान प्रक्रिया को संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को सभी मतदेय स्थलों के लिए पार्टियां रवाना हो गईं। मतदान पार्टियां रवाना होने से पहले जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय एवं एसएसपी अमित पाठक द्वारा संयुक्त रूप से तीन स्थानों पर स्थल निरीक्षण किया गया। जहां पर दोनों अधिकारियों ने मतदान कार्मिकों एवं पुलिस अधिकारियों को मतदान के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने गोविंदपुरम अनाज मंडी, हंस इंटर कॉलेज मुरादनगर एवं महर्षि इंटर कॉलेज गोविंदपुरी

मोदीनगर में पहुंच कर निरीक्षण किया। इस दौरान सभी पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मतदान कार्मिक अपनी-अपनी पार्टी को रवाना करने से पूर्व मतदान के संबंध में अपनी-अपनी संबंधित वोटर लिस्ट, मतदान सामग्री, मतदान पत्र एवं अन्य सामग्री निर्धारित मानकों के अनुरूप प्राप्त कर एवं उसका गहनता के साथ मिलान करने के उपरांत अपने-अपने गंतव्य को प्रस्थान करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि सभी पीठासीन अधिकारियों को आयोग के निर्देश के अनुरूप व्यापक स्तर पर मतदान कराने के संबंध में गहन प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है और पीठासीन अधिकारियों को एक निर्देश पुस्तिका भी उपलब्ध कराई गई है। अतः सभी मतदान कार्मिक अपने-अपने बूथ पर निर्धारित समय पर मतदान को प्रारंभ कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। मतदान प्रक्रिया के दौरान सभी कार्मिकों द्वारा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी होकर अपने दायित्व का निर्वहन सुनिश्चित किया जाएगा ताकि जनपद में कुशलता पूर्वक मतदान संपन्न हो सके। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया है कि कोई भी मतदान कार्मिक अपनी ड्यूटी पर किसी भी उम्मीदवार का आथित्य स्वीकार नहीं करेंगे। यदि ऐसा कहीं पाया जाएगा तो संबंधित के विरूद्ध आयोग की सुसंगत धाराओं के तहत कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। अतः सभी मतदान कार्मिक सुबह निर्धारित 7 बजे अपने-अपने बूथ पर पारदर्शिता के साथ मतदान को प्रारंभ कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे और मतदान समाप्ति तक सभी कार्य आयोग की मंशा के अनुरूप पूर्ण करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि कहीं पर भी मतदान ड्यूटी में लापरवाही एवं शिथिलता को बेहद गंभीरता के साथ लिया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग से नियुक्त प्रेक्षक के रविंद्र नायक गोविंदपुरम अनाज मंडी में उपस्थित रहे। जिलाधिकारी के भ्रमण के दौरान प्रशासन एवं पुलिस के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस दौरान एडीएम सिटी शैलेंद्र कुमार सिंह, एडीएम प्रशासन संतोष कुमार वैश्य, सिटी मजिस्ट्रेट विपिन कुमार, एसडीएम सदर देवेंद्र पाल सिंह, जिला विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी, एसडीएम मोदीनगर आदित्य प्रजापति, अपर नगर मजिस्ट्रेट खालिद अंजुम आदि अधिकारियों के साथ पोलिंग पार्टियां स्थलों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

चुनाव चिन्ह आवंटित रात-दिन होगा प्रचार

-उद्योग विहार (अप्रैल 2021)-

मुरादनगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में विभिन्न पदों के लिए चुनावी समर में आए ग्रामीण राजनीति के धुरंधरों को चुनाव चिन्ह मिलने के बाद 6 दिन मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए रात दिन दौड़ लगानी पड़ेगी। क्योंकि 6 दिन बाद चुनाव प्रचार बंद हो जाएगा। अपना चुनाव चिन्ह मतदाताओं तक हर प्रत्याशी पहुंचाने की कोशिश इसी दौरान करेगा। 7 अप्रैल को देर शाम तक प्रत्याशियों को चिन्ह आवंटित किए गए। 8 से 13 अप्रैल की शाम तक प्रचार होगा। उसके बाद कोई प्रत्याशी खुलेआम प्रचार नहीं कर पाएगा। 15 तारीख को मतदान होना है। नियमानुसार 24 घंटे पहले प्रचार बंद होता है, लेकिन वही आखिरी 24 घंटे प्रत्याशियों के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसी दौरान वोट हासिल करने के लिए हर वह कार्य करते हैं। जिससे उन्हें जीत मिल सकें। मतदाताओं को लालच देकर अपने खेमे में लाने का काम भी उम्मीदवार चुनाव के अंतिम दौर में ही करते हैं। चुनावी रण में मुकाबिल हारने जीतने वाले काफी दिनों से अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाताओं के संपर्क मे लगातार बने रहे हैं। शराब कबाब की पार्टियां भी चलती आ रही है, लेकिन नेताओं को चुनाव चिन्ह के साथ चुनाव मैदान में भी दूसरों के साथ प्रतिस्पर्धा में अव्वल दिखाने की चुनौती होगी। ग्राम पंचायत प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्य के लिए चुनाव लड़ रहे कई प्रत्याशियों ने वार्ता के दौरान बताया कि कभी-कभी हालात ऐसे बन जाते हैं की गांव की गली में पूरा दिन लग जाता है।

कोविड-19 प्रोटोकॉल को लेकर हुई बैठक

-उद्योग विहार (अप्रैल 2021)-

गाजियाबाद। जनपद में बढ़ते कोरोना संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए जनपद वासियों को कोरोना वायरस के संक्रमण से सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से जिला अधिकारी अजय शंकर पांडेय के नेतृत्व में कार्यवाही में तेजी आरंभ डीएम के निर्देश पर महात्मा गांधी सभागार कलेक्ट्रेट परिसर में अपर जिलाधिकारी नगर के द्वारा जनपद के माल्स, सिनेमाघर होटल्स एवं अन्य व्यवसायिक संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ कोविड-19 को लेकर की महत्वपूर्ण बैठक सभी को अपने अपने संस्थानों में कोविड-19 प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित करने के दिए गए। आवश्यक दिशा-निर्देश जनपद में बढ़ते हुए कोरोना संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए जिला अधिकारी अजय शंकर पांडेय के नेतृत्व में जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा विभिन्न स्तर पर कोरोना के संक्रमण को रोकने के उद्देश्य से कार्यवाही तेज कर दी गई है। इस श्रृंखला में अपर जिला अधिकारी नगर शैलेंद्र कुमार सिंह के द्वारा महात्मा गांधी सभागार कलेक्ट्रेट में जनपद के सभी माल्स, मल्टीप्लेक्स, होटल्स, मिठाई की दुकानों एवं अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में कोविड-19 प्रोटोकॉल का अनुपालन अक्षर से सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक सुनिश्चित की गई। अपर जिलाधिकारी ने इस अवसर पर सभी प्रतिष्ठानों के स्वामियों एवं संचालकों को निर्देशित करते हुए कहा कि वर्तमान में जनपद में कोरोना संक्रमण तेजी के साथ बढ़ रहा है। अतः सभी जनपद वासी कोरोना वायरस के संक्रमण से सुरक्षित बने रहे इस उद्देश्य से सभी माल्स, मल्टीप्लेक्स, होटल एवं अन्य प्रतिष्ठानों में संचालकों के द्वारा कोविड-19 प्रोटोकॉल का अक्षर से पालन सुनिश्चित कराया जाए ताकि सभी जनपद वासी कोरोना के संक्रमण से सुरक्षित बने रहें। उन्होंने कहा कि सभी संस्थानों में नागरिकों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम का संचालन शत प्रतिशत रुप से सुनिश्चित कराया जाए ताकि सभी नागरिक सभी प्रतिष्ठानों में मास्क एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन सुनिश्चित कर सकें। उन्होंने कहा कि एवं महाराष्ट्र में बड़े स्तर पर कोरोना संक्रमण फैल रहा है। वहां से आने वाले नागरिकों को सभी होटल में बिना कोरोना जांच के रोकने की व्यवस्था सुनिश्चित न कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी माल एवं मल्टीफलेक्स तथा अन्य संस्थानों में लिफ्ट का कम से कम प्रयोग किया जाए वहीं दूसरी ओर सभी संस्थानों में सैनिटाइजेशन की निरंतर स्तर पर व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए।

सभी संस्थानों में बिना मास्क के आने वाले नागरिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध भी लगाया जाए। सभी संस्थानों में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालकों के द्वारा विशेष व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी होटल्स में केरल एवं महाराष्ट्र से आने वाले नागरिकों की सूचना जिला प्रशासन को भी तत्काल प्रभाव से उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी संस्थानों में कोविड मार्शल तैनात किए जाएं ताकि आने वाले नागरिकों को कोरोना के संबंध में जागरूक किया जा सके। अंत में अपर जिलाधिकारी नगर ने सभी संस्थानों के स्वामियों एवं संचालकों को अपने को भी सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से कोविड-19 प्रोटोकाल का अनुपालन करने का आह्वान किया। आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में संबंधित अधिकारीगण एवं संस्थानों के स्वामी एवं संचालक गण उपस्थित रहे।

जब प्रशिक्षण केंद्र में मतदान कर्मियों के बीच जाकर चुपके से बैठे डीएम

22 मतदान कर्मी अनुपस्थित, एक दिन का वेतन काटने के निर्देश

-उद्योग विहार (अप्रैल 2021)-

गाजियाबाद। न कोई दौरा और न कोई बड़े स्तर का कार्यक्रम जिसके लिए प्रोटोकॉल का पालन करना जरूरी हो। मगर इसके बाद भी जिलाधिकारी किसी बैंच पर जाकर बैठ जाए तो वह अपने आप में एक खबर है। बता दें कि सोशल मीडिया पर एक फोटो जोरों से वायरल हो रही है। जिसमें जिलाधिकारी अजय शंकर पाण्डेय बैंच पर बैठे नजर आ रहे है। फोटो के वायरल होने से सब यही सोच रहे है कि आखिर जिलाधिकारी एक बैंच पर वह भी पीछे जाकर क्यों बैठ गये। असल में मामला मोहन नगर स्थित आइटीएस कॉलेज का है जहां जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय एक कमरे में मास्क लगाए कुछ कर्मियों के बीच में बैठे नजर आ रहे हैं। यहां बुधवार को मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण चल रहा था। दो पालियों में चल रहे प्रशिक्षण के दौरान जिलाधिकारी अपने अधीनस्थों के साथ प्रशिक्षण का जायजा लेने पहुंच गए। प्रशिक्षण केंद्र पर पहुंचने के बाद उन्होंने सरकारी अमले को बाहर ही रोक दिया और मास्क लगाकर चुपचाप एक कक्ष में मतदान कर्मियों के बीच जाकर बैठ गए। मास्क लगा होने के कारण न तो प्रशिक्षण लेने वाले उन्हें पहचान सके और न ही प्रशिक्षक। जिलाधिकारी करीब आधा घंटे तक कर्मचारियों के बीच बैठे रहे। इस दौरान उन्होंने पास में बैठे कर्मियों से बतौर सहयोगी विभिन्न मुद्दों पर चुनावी चर्चा जानकारी भी ली। यही नहीं उन्होंने प्रशिक्षणार्थी के रूप में कई सवाल भी पूछे। प्रशिक्षकों को जब आभास हुआ कि उनके बीच में सवाल पूछने वाले जिलाधिकारी हैं तो वह थोड़ा हिचकिचाए और उन्हें मंच तक लेकर गए। बाद में जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी अस्मिता लाल की मौजूदगी में प्रशिक्षण लेने वाले कर्मियों को प्रोत्साहित किया और चुनाव प्रक्रिया में ईमानदारी से काम करने की अपील की। पहले दिन के प्रशिक्षण में 22 मतदान कर्मी अनुपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी अनुपस्थित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। अनुपस्थित रहे कर्मचारियों को नौ अप्रैल को प्रशिक्षण के लिए फिर से बुलाया गया है। नौ अप्रैल को भी गायब रहने वाले मतदानकर्मियों की एक दिन की सर्विस ब्रेक मानी जाएगी और इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। उल्लेखनीय है कि गाजियाबाद में पंचायत चुनाव के लिए मतदान 15 अप्रैल को होगा। बता दें कि जिलाधिकारी अजय शंकर पाण्डेय अपने कार्यों को लेकर हमेशा चर्चा में रहते है, क्योंकि वह जनता की समस्या को सुलझाने के लिए खुद अपनी कुर्सी छोड़कर बाहर निकल पड़ते है तो कभी लोगों की शिकायत की जांच करने के लिए खुद अधिकारियों के कार्यालयों में पहुंच जाते है।

डीएम ने गाजियाबाद में अपना पद ग्रहण करने के दौरान सबसे पहले अधिकारियों को सफाई का पाठ पढाया था और उसके बाद जल संरक्षण का। जिसके कुछ दिन बात उनकी एक अनोखी पहल ब्लैक बॉक्स जिसकी खूब सराहना हुई। जिसमें जनता की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने कई अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कार्रवाई की थी।

मै. लीगल इन्फोशोल्यूशन्स प्रा0लि0, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक **"सत्येन्द्र सिंह"** द्वारा मै. बी.एफ.एल. इन्फोटैक लि. प्रेस, सी–9, सैक्टर–3, नोएडा से छपवाकर बी.ई.–243, (ग्राउण्ड फ्लोर) अवन्तिका, गाजियाबाद से प्रकाशित किया।

फोन : 0120–4122901 / 4108794 **मोबाइल नं. :** 9818036460 / 9818697406 **E-mail :** udyogviharnp@yahoo.com **संस्थापक :** शीतला प्रसाद सिंह **प्रधान सम्पादक :** सत्येन्द्र सिंह **सम्पादक :** बबिता सिंह **सह सम्पादक :** राजेश सिंह